पढ़ो पंजाब पढ़ाओ पंजाब हिंदी टीम
पाठ्यक्रम 2021-22

मुहावरे/लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर उन्हें वाक्यों में प्रयोग करें:

1) दिल बल्लियाँ उछलना (बहुत खुश होना)=सर्कस में हाथी के करतब देखकर बच्चों का दिल बल्लियों उछलने लगा।
2) दंग रह जाना (हैरान रह जाना)= मैट्रो स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था देख कर बच्चे दंग रह गए।
3) खुशी से झूम उठना (बहुत प्रसन्न होना)= मेट्रो रेल की यात्रा करके बच्चे खुशी से झूम उठे।
4) मन बहलाना (मनोरंजन करना)= छात्र शाम के समय खेलकूद कर अपना मन बहलाते हैं।
5) फूले न समाना:- (बहुत खुश होना) -राखी के दिन बहन फूले न समाती है ।
6) धूनी तपना:- (कष्ट झेलना)- बहन का भाई जेल में धूनी तप रहा है।
7) खुशी दोगुनी होना:- (बहुत खुश होना) - अपने मित्र के पास होने पर मेरी खुशी दोगुनी हो गई।
8) जहाँ चाह वहाँ राह (इच्छा से ही रास्ता निकलता है) कल्पना ने बचपन में अन्तरिक्ष यात्री बनने का सपना देखा और पूरा कर लिया। इसे कहते हैं जहाँ चाह वहाँ राह।
9) दुःख के सागर में डूब जाना (बहुत दुखी होना) कल्पना चावला की मृत्यु से संसार दुःख के सागर में डूब गया।
10) दिलों पर राज करना (सबको अच्छा लगने वाला) कल्पना चावला सबके दिलों पर राज करती है ।
11) खुशी का ठिकाना न रहना (बहुत खुश होना) निधि राज्य में प्रथम आई तो उसकी खुशी का ठिकाना न रहा।
12) दिल दहला देना (भयभीत करना) जापान की सुनामी ने सब का दिल दहला दिया था ।
13) आज़ाद (चन्द्रशेखर आज़ाद)(एक नाम) आज़ाद ने क्रांतिकारियों में जोश भर दिया।
14) आज़ाद (स्वतन्त्र) भारत 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ।
15) माँ (जन्म देने वाली) मेरी माँ मुझे हर रोज़ सुबह-सवेरे उठाती है।
16) माँ (भारत माँ) मुझे अपनी माँ पर गर्व है जिस का दिया हुआ अन्न-जल पा कर ही हम जीवित हैं।
17) बाँध (बाँधना, समेटना) इस सामान को बाँध लो।
18) बाँध (जलाशय का जल रोकने हेतु सीमेंट, रेत, पत्थर आदि का बनाया गया अवरोध) भाखड़ा बाँध विश्वभर में बहुत प्रसिद्ध है।
19) बदला (बदलना) हमने अपने देश को बदल डाला।
20) बदला (बदला लेना) चंद्रशेखर आज़ाद ने लाला लाजपत राय की मृत्यु का बदला लिया।
21) सबक (पाठ) हमें कठोर परिश्रम का सबक पढ़ना चाहिए।
22) सबक (सबक सिखाना) भारतीय वीरों ने आक्रमणकारियों को अच्छा सबक सिखाया।
23) कान में सीसा भरा होना (सुनाई न देना) तम्हारे कान में सीसा भरा है जो इसकी चीख नहीं सुन रहा।
24) खिसियानी बिल्ली-सा मुँह लेकर जाना (उदास होकर जाना) जब मैंने हरि को डाँटा तो वह खिसियानी बिल्ली-सा मुँह लेकर चला गया।
25) जले पर नमक छिड़कना (दुःख याद करना) उसने मुझे स्कूल की याद करा कर जले पर नमक छिड़क दिया।

26) नींद हराम होना (परेशान हो जाना) नीटू के फेल होने पर उसके माता-पिता की नींद हराम हो गई थी।
27) जान बचाकर भागना (अपनी जान बचाना) चोर चलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाकर भाग निकला।
28) मौत के मुँह में जाना (जान बूझकर ख़तरा उठाना) जानबूझ कर अमर सिंह मौत के मुँह में चला गया।
29) कुत्ते की दुम सीधी न होना (कभी न सुधरना) रवि कुत्ते की दुम है जो कभी तुम्हारी बात नहीं समझेगा।
30) परखचे उड़ाना (नष्ट करना) आज़ाद ने बम विस्फोट से शत्रुओं के परखचे उड़ा दिए।
31) मौत की नींद सुलाना(मौत के घाट उतारना)सैनिकों ने दुश्मनों को मौत की नींद सुला दिया।
32) सीना छलनी करना (गहरा घाव देना) सैनिकों ने दुश्मनों का सीना छलनी कर दिया।
33) गौरवान्वित करना(गौरव महसूस करना) अनिल शर्मा ने अपनी बुद्धिमता और निर्णय लेने की क्षमता से देश को गौरवान्वित किया।
34) होनहार बिरवान के होत चिकने पात (बचपन से ही प्रतिभा दिखाई देना) सुभाष चंद्र बोस तो बचपन से ही अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने का खेल खेलते थे। सही ही कहा है होनहार बिरवान के होत चिकने पात।
35) सुध लेना (हाल-चाल पूछना/खबर लेना) आजकल बच्चे अपने आप में व्यस्त रहते हैं कि अपने माता-पिता की सुध भी नहीं लेते।
36) ताकते रह जाना(हैरान रह जाना) राम के घर सुंदरता देखकर मैं तो ताकता ही रह गया।
37) मंत्रमुग्ध होना (ध्यान लगाना, लीन होना)पढ़ाई में मंत्रमुग्ध होकर ही तुम दसवीं की परीक्षा पास कर सकते हो।
38) फूला नहीं समाना (बहुत खुश होना) मैं अपना परीक्षा परिणाम देखकर फूला नहीं समाया।
39) धावा बोलना (आक्रमण करना) सिपाही ने शत्रुओं पर धावा बोल दिया।
40) मन गद्गद् हो जाना (खुश होना) प्रान्त में प्रथम आने पर मेरा मन गद्गद् हो गया।
41) दिल धक से रह जाना (घबराना) इस दुर्घटना को देखकर माँ का दिल धक से रह गया था।
42) पारखी आँखों वाला(पहचानने वाला) रोहित सब कुछ जानता है क्योंकि वह पारखी आँखों वाला हैं।
43) जीवन की पहली ज़रूरत(भोजन) मनीष को देखकर यही लगता था कि यही उसके जीवन की पहली ज़रूरत है।
44) जीवन-बसर करना(जीवन चलाना) वह दुकान चला कर जीवन-बसर कर रहा था।
45) सपने दिखाना (प्रेरणा देना) लेखिका ने मनीष को सपने दिखाए।
46) हरी झण्डी मिलना (आज्ञा मिलना) रवि को पढ़ने की हरी झण्डी मिल गई।
47) धावा बोलना(हमला करना) शत्रुओं ने अचानक धावा बोल दिया ।
48) पैरों में पर लगना (बहुत तेज़ चलना या भागना) हामिद इतना तेज़ चल रहा था मानो उसके पैरों में पर लग गए हों ।
49) दिल बैठ जाना (हताश होना , घबराना) परीक्षा में असफल होने पर नरेश का दिल बैठ गया।
50) राई का पर्वत बनाना (छोटी सी बात को बढ़ा चढ़ा कर कहना) राई का पर्वत बनाना हो तो कोई मोहन से सीखें ।

51) गद गद होना (मन खुश होना) महीनों बाद माता जी को देखकर मेरा मन गद गद हो गया ।

52) बाल भी बाँका न होना (कुछ भी न बिगड़ना) जिसके रक्षक भगवान हैं उसका बाल भी बाँका नहीं हो सकता ।

53) गले मिलना (ख़ुशी जाहिर करना) रवि विदेश से आते ही सबके गले मिलने लगा ।

54) रंग जमाना (प्रभाव डालना) हामिद के घर चिमटा आते ही रंग जम गया ।

55) नाम रटना (बार बार नाम लेना) जग्गी फेल होकर प्रभु का नाम रटने लगा ।

56) दिन कचोटना (ठेस पहुँचाना) उसने ऐसा कहकर मेरा दिन कचोट दिया ।

57) देखते ही रह जाना (बार बार देखना) खली को देखकर बच्चे देखते ही रह गए ।

58) रोज़ा- हामिद ने आज रोज़ा रखा था ।

59) दुआएँ- बुज़ुर्ग ने बच्चों को दुआएँ दी ।

60) गत वर्ष- गत वर्ष हमने कबड्डी का मैच जीत लिया था ।

61) ग्रामीण - ग्रामीण महिलाएँ कुएँ से पानी भर रहीं थीं ।

62) फौरन - चालक ने सड़क पर गाय देखकर फौरन गाड़ी रोक ली ।

63) व्यवस्था- हमारे स्कूल की व्यवस्था देख कर मंत्री जी प्रसन्न हो गए ।

64) नाकों चने चबाना (परेशान करना) शिवाजी ने मुग़ल सेना को अनेक बार नाकों चने चबवा दिए।

65) करारा जवाब देना (उल्टा जवाब देना) रवि ने विवेक को थप्पड़ मारकर करारा जवाब दिया ।

66) छक्के छुड़ाना (बुरी तरह हराना) भारत ने क्रिकेट का विश्व कप जीतकर अन्य सभी देशों के छक्के छुड़ा दिए।

सर्वनाम

गोपू एक ग्वाला था। उसकी कुटिया के पिछवाड़े गोबर के उपले पड़े हुए थे। उसने बड़ी मेहनत से उन्हें बनाया था। एक दिन वह घर पर नहीं था। उसके उपले गाँव के शरारती बच्चों ने उठा लिये।

ऊपर के गद्यांश में 'गोपू' एक व्यक्ति तथा 'उपले' एक वस्तु के नाम हैं। अतः 'गोपू' और उपले संज्ञा शब्द हैं। उपरोक्त पंक्तियों में रेखांकित किए गए शब्द 'उसकी', 'उसने', 'वह' तथा 'उसके' गोपू के लिए तथा 'उन्हें' उपलों के लिए प्रयोग में आये हैं।

अतः ऐसे शब्द जो किसी संज्ञा के स्थान पर प्रयोग में आते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं।

(1) (i) गोपू मुखिया से बोला, "मैं शहर गया हुआ था। मेरे उपले किसी ने चुरा लिये।

यहाँ बोलने वाले (गोपू) ने अपने लिए 'मैं' और 'मेरे' सर्वनामों का प्रयोग किया है।

(ii) मुखिया गोपू से बोला, "तुम चिंता न करो- तुम्हें न्याय मिलेगा।"

यहाँ सुनने वाले (गोपू) के लिए 'तुम' और 'तुम्हें' सर्वनामों का प्रयोग हुआ है।

(iii) मुखिया मन ही मन बोला, "गाँव के बच्चे शरारती हैं। यह शरारत उनकी ही है।

यहाँ बोलने वाले (मुखिया) ने अन्य (अनुपस्थित) व्यक्तियों (बच्चों) के लिए 'उनकी' सर्वनाम का प्रयोग किया है।

अतएव बोलने वाला अपने लिए, सुनने वाले तथा अन्य (अनुपस्थित) व्यक्ति के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग करता है, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। यह सर्वनाम का पहला भेद है।

(2) (i) देखो, बच्चे खड़े हैं, इन्होंने प्रायश्चित कर लिया है

(ii) वह मेरी कुटिया है।

ऊपर पहले वाक्य में 'इन्होंने' सर्वनाम का प्रयोग पास खड़े बच्चों के लिए तथा दूसरे वाक्य में 'वह' सर्वनाम का प्रयोग दूर स्थित 'कुटिया' के लिए किया गया है। अर्थात् 'इन्होंने' तथा 'वह' से निश्चयपूर्वक बोध हो रहा है

अतः जिन सर्वनामों से निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध हो, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। यह सर्वनाम का दूसरा भेद है।

अन्य उदाहरण : यह, ये, वे, इसको आदि।

(3) (i) किसी ने मेरे उपले उठा लिये।

(ii) कुछ न कुछ तो करना ही पड़ेगा।

उपरोक्त वाक्यों में 'किसी' तथा 'कुछ' किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं कराते अतः अनिश्चयवाचक सर्वनाम हैं। अतः जिन सर्वनामों से निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध न हो, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। यह सर्वनाम का तीसरा भेद है।

अन्य उदाहरण : कोई, किस, किन्हीं आदि

(4) जो भी उपले तैयार किए बिना होली खेलता नज़र आएगा, उसके अभिभावक को प्रति बच्चे पर सौ-सौ रुपये जुर्माना देना पड़ेगा।

उपरोक्त वाक्य में 'जो' तथा 'उसके' रेखांकित शब्द दो वाक्यों का परस्पर संबंध जोड़ते हैं, अतः ये संबंध वाचक सर्वनाम हैं। अतएव जिन सर्वनामों से एक बात का दूसरी बात से संबंध प्रकट हो उसे संबंध वाचक सर्वनाम कहते हैं। यह सर्वनाम का चौथा भेद है।

अन्य उदाहरण : जो-सो, जिसने-उसने, जिसकी-उसकी आदि।

(5) (i) वह अपने पाले में वापिस आ गया।

वे स्वयं खिलाड़ियों को रणनीति समझाने लगे।

उपर्युक्त वाक्यों में 'अपने' तथा 'स्वयं' शब्द क्रमशः कर्ता (कार्य करने वाला) 'वह' और 'वे' के साथ निजत्व (अपनेपन) का बोध करा रहे हैं, अतः 'निजवाचक' सर्वनाम हैं।

अतएव जो सर्वनाम वाक्य में कर्ता के साथ निजत्व (अपनेपन) का बोध करायें उन्हें 'निजवाचक सर्वनाम' कहते हैं। यह सर्वनाम का पाँचवाँ भेद है।

अन्य उदाहरण : स्वयं, खुद, अपने आप, आप

(6) इस मैच में कौन-सी टीम जीतेगी?

उपर्युक्त वाक्य में 'कौन' शब्द का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए हुआ है, अतः ये प्रश्नवाचक सर्वनाम हैं। अतएव जो सर्वनाम प्रश्न पूछने के लिए प्रयोग में आते हैं, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। यह सर्वनाम का छठा भेद है।

अन्य उदाहरण : क्या, किसने, किसे।